1खण्ड–521, अंक–02
मंगलवार, 02 फाल्गुन, शक संवत् 1944
(21 फरवरी, 2023 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

–: 0 :–

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2023)

(खण्ड 521 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2023

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय				पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	...	...	...	1-6
उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री राहुल प्रकाश कोल एवं उ0प्र0 विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी तथा अन्य पूर्व सदस्यों के निधन पर शोकोद्‌गार	...	...	...	7-22
सभी सदस्यों को अपनी आवंटित सीट पर बैठने एवं दूसरों की सीट पर स्थापित टैबलेट को लॉगिन न करने के सम्बन्ध में निर्देश		...		22-23

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई)

मंगलवार, दिनांक 21 फरवरी, 2023 ई0

उपस्थित सदस्य-344

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — सन्तकबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय सिंह, श्री — बस्ती
7. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
8. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
9. अताउर रहमान, श्री — बरेली
10. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
11. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
12. अदिति सिंह, श्रीमती — रायबरेली
13. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
14. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
15. अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
16. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — सन्तकबीरनगर
17. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
18. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
19. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
20. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
21. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
22. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
23. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
24. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
25. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
26. अभिजीत सिंह 'साँगा', श्री — कानपुर नगर
27. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
28. अमित सिंह चौहान, डा0 — अयोध्या
29. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
30. अरमान खान, श्री — लखनऊ
31. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
32. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
33. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
34. अशरफ अली खान, श्री — शामली
35. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
36. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
37. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
38. आकाश सक्सेना (हनी), श्री — रामपुर
39. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर
40. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
41. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
42. आशा मौर्य, श्रीमती — सीतापुर
43. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री — हरदोई
44. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री — लखनऊ

45. आशुतोष मौर्य उर्फ राजू, श्री बदायूं
46. आशुतोष शुक्ल, श्री उन्नाव
47. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
48. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
49. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
50. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
51. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
52. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
53. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
54. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
55. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
56. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
57. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
58. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
59. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
60. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
61. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
62. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
63. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
64. कैलाश, श्री चन्दौली
65. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
66. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
67. गणेश चन्द्र, श्री सन्तकबीरनगर
68. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
69. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
70. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
71. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
72. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
73. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
74. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
75. चन्दन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
76. चन्द्र प्रकाश लोधी (एडवोकेट), श्री फतेहपुर
77. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
78. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
79. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
80. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
81. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
82. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
83. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
84. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
85. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
86. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
87. जाहीद, श्री भदोही
88. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
89. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद
90. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
91. जीत लाल पटेल, श्री प्रतापगढ़
92. जै किशन साहू, श्री गाजीपुर
93. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
94. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
95. डी0सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
96. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
97. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
98. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
99. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
100. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
101. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
102. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
103. दीपक कुमार मिश्र ''शाका'', श्री देवरिया
104. दुधराम, श्री बस्ती

105. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
106. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
107. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
108. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
109. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर
110. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
111. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
112. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
113. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
114. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
115. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
116. नसीर अहमद खां, श्री रामपुर
117. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
118. नासिर कुरैशी, हाजी मुरादाबाद
119. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
120. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
121. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
122. पंकज, श्री जौनपुर
123. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
124. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
125. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
126. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
127. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
128. पिंकी सिंह, श्रीमती सम्भल
129. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
130. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
131. पूजा, श्रीमती आजमगढ़
132. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
133. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
134. प्रकाश द्विवेदी, श्री बांदा
135. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
136. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
137. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
138. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
139. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
140. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
141. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
142. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
143. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
144. प्रवीण पटेल, श्री प्रयागराज
145. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
146. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
147. प्रेम पाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
148. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
149. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
150. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
151. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
152. बाबूराम, श्री पीलीभीत
153. बाबूलाल, श्री आगरा
154. बावन सिंह, श्री गोण्डा
155. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
156. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
157. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
158. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
159. बेचई सरोज, श्री आजमगढ़
160. बेदी, श्री गाजीपुर
161. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
162. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
163. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
164. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
165. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र

166. मदन भैया, श्री मुजफ्फरनगर
167. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
168. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
169. मनीष रावत, श्री सीतापुर
170. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
171. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
172. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
173. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
174. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
175. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
176. महबूब अली, श्री अमरोहा
177. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
178. महेन्द्र, श्री अमरोहा
179. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
180. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
181. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
182. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
183. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
184. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
185. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
186. मुकेश चन्द्र वर्मा, डा0 फिरोजाबाद
187. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
188. मेघश्याम, श्री मथुरा
189. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
190. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
191. मोहम्मद हसन 'रूमी', श्री कानपुर नगर
192. मोहित सोनकर ''राहुल बच्चा'', श्री कानपुर नगर
193. मौहम्मद फहीम इरफान, श्री मुरादाबाद
194. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
195. योगेश धामा, श्री बागपत
196. योगेश वर्मा, श्री खीरी
197. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
198. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
199. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
200. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
201. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
202. रमा शंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
203. रमेश, श्री जौनपुर
204. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
205. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
206. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
207. रवि शर्मा, श्री झांसी
208. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
209. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
210. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
211. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
212. आर0के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
213. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
214. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
215. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
216. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
217. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
218. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
219. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
220. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
221. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
222. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
223. राजमणि, श्री प्रयागराज
224. राजीव कुमार, श्री अमरोहा

225. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
226. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
227. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
228. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
229. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
230. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
231. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
232. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
233. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
234. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
235. राजेश्वर सिंह, श्री लखनऊ
236. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
237. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
238. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
239. रामकृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
240. रामकेश निषाद, श्री बांदा
241. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
242. राम चन्द्र यादव, श्री अयोध्या
243. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
244. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
245. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
246. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
247. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
248. राम बिलाश चौहान, श्री मऊ
249. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
250. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
251. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
252. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
253. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
254. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
255. लकी यादव, श्री जौनपुर
256. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
257. लक्ष्मी राज सिंह, श्री बुलन्दशहर
258. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
259. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
260. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
261. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
262. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
263. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
264. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
265. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
266. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
267. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
268. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
269. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
270. विपुल दुबे, श्री भदोही
271. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
272. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
273. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
274. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
275. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
276. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
277. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
278. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
279. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
280. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
281. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
282. शशांक वर्मा, श्री खीरी
283. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली

284. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
285. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
286. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
287. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
288. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
289. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
290. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
291. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
292. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
293. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
294. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
295. संग्राम सिंह, श्री बलिया
296. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
297. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
298. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली
299. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
300. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
301. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
302. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
303. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
304. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
305. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
306. सभाकुंवर, श्री देवरिया
307. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
308. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
309. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
310. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
311. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
312. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
313. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
314. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
315. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
316. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
317. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
318. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
319. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
320. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
321. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
322. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
323. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
324. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
325. सुरेश राही, श्री सीतापुर
326. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
327. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
328. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
329. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
330. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
331. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
332. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
333. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
334. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
335. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
336. स्वामी ओउ्मवेश, श्री बिजनौर
337. हंसु राम, श्री बलिया
338. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
339. हरिओम, श्री कासगंज
340. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
341. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
342. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
343. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
344. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं

[11:00] उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री राहुल प्रकाश कोल एवं उ0प्र0 विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री केशरी नाथ त्रिपाठी तथा अन्य पूर्व सदस्यों के निधन पर शोकोद्गार

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे अत्यन्त दुःख के साथ इस माननीय सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि वर्तमान विधान सभा के माननीय सदस्य श्री राहुल प्रकाश कोल का 02 फरवरी, 2023 को लगभग 40 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनका असमय निधन हम सबके लिये दुःखद है। हम सब जानते हैं कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में एक जनसेवक का जो जीवन होता है, वह अत्यन्त संघर्षमय होता है और यही कारण है कि उसे पग-पग पर अग्नि परीक्षा देनी होती है। बहुत सारे लोग जिनके पास विजन है, प्रतिभा भी है, वह राजनीति में, सार्वजनिक जीवन से आने से संकोच करते हैं। श्री राहुल प्रकाश कोल एक युवा राजनीतिज्ञ थे अल्प आयु में ही दो बार इस सम्मानित सदन के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए थे। उनका असमय अवसान हम सबके लिये अत्यन्त दुःखद है। श्री कोल छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय रहे। वह वर्ष 2017 तथा 2022 में लगातार दो बार इस सम्मानित सदन के माननीय सदस्य थे। वह अत्यन्त विनम्र, व्यवहार कुशल और एक समर्पित जननेता थे। अपनी विधान सभा क्षेत्र के साथ-साथ सम्पूर्ण जनपद के विकास के लिये गरीबों, वंचितों और उस वनवासी क्षेत्र के विकास के लिये वह सतत् प्रयत्नशील रहे। सेवाभाव के कारण ही वह अपने क्षेत्र में अत्यन्त लोकप्रिय जननेता के रूप में उभर रहे थे। श्री राहुल प्रकाश कोल के निधन से प्रदेश ने एक युवा नेता और कुशल राजनीतिज्ञ को खो दिया है। उनका निधन समाज की एक अपूरर्णीय क्षति है। मैं उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ और ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करता हूं। मैं उनके दुःखी परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध करता हूँ कि हमारी संवेदना को उनके शोक संतप्त परिजनों तक पहुँचाने की आप कृपा करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व माननीय सदस्यों जिनमें उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व राज्यपाल श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी समेत हमारे अन्य माननीय सदस्य हैं जिनका मैं उल्लेख करना चाहूंगा। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपनी अत्यन्त महत्वपूर्ण सेवा प्रदेश को और देश को उपलब्ध करवाई है, उनका निधन 8 जनवरी, 2023 को 88 वर्ष की अवस्था में हुआ है। उनका निधन हम सबके लिये एक दुःखद सूचना है। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी बहुमुखी प्रतिभा के धनी, मृदुभाषी, एक जनप्रिय नेता थे। उन्होंने अपने प्रारम्भिक जीवन की शुरुआत एक अधिवक्ता के रूप में की थी। वे कुशल राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ विधि एवं संविधान सम्बन्धी मामलों के विशेषज्ञ, संसदीय

प्रक्रियाओं के मर्मज्ञ के रूप में भी जाने जाते थे। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी का उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक तीव्र अनुभव था। इस सम्मानित सदन के वह 6 बार सदस्य निर्वाचित हुए थे। सर्वप्रथम 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर झूंसी वर्तमान प्रयागराज से विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। तत्पश्चात् 1989, 1991, 1993, 1996 एवं 2002 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर प्रयागराज से विधान सभा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी, श्री राम नरेश यादव जी मंत्रि-मण्डल के सदस्य भी रहे। अपने संसदीय ज्ञान, सर्वग्राह्यता और न्यायप्रियता के कारण ही वह विधान सभा के अध्यक्ष के पद पर वर्ष 1991, 1997 एवं 2002 में तीन बार निर्विरोध निर्वाचित हुए। विधान सभा अध्यक्ष के रूप में उन्होंने इस सदन का गरिमापूर्ण एवं सफलतापूर्वक संचालन किया और अध्यक्ष पीठ से अपने महत्वपूर्ण निर्णय भी दिये। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी जुलाई, 2014 से जुलाई, 2019 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पद पर भी आसीन रहे। इसके साथ ही उन्हें बिहार, मेघालय एवं मिजोरम के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया। राजनीतिक सक्रियता के साथ-साथ वह एक प्रतिष्ठित विधि-वेत्ता भी थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में कार्य किया और वहां की बार एसोसिऐशन के अध्यक्ष भी रहे। वह लोक सभा द्वारा गठित विधायिका-न्यायपालिका सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने सम्बन्धी समिति के माननीय सदस्य भी रहे। राजनीतिज्ञ एवं संवैधानिक विषयों के साथ-साथ साहित्यिक क्षेत्र में भी उनकी गहन रुचि थी। उन्होंने हिन्दी भाषा एवं साहित्य के विकास एवं उन्नयन की दिशा में महत्वपूर्ण काम किये। अनेक काव्य संग्रहों और दोहा संग्रहों की रचना की। हिन्दी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्य हेतु उन्हें हिन्दी गरिमा सम्मान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी सम्मान, साहित्य वाचस्पति, बागेश्वरी, काव्य कौस्तुभ सम्मान सहित अनेक सम्मानों से भी विभूषित किया गया। वह उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष रहे और अनेक शैक्षिक, साहित्य, संसदीय-विधायी, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं के स्थानीय, प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्बद्ध रहे। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी को न्याय, संवैधानिक विषयों सहित साहित्य, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा की गई उत्कृष्ट सेवा के लिये 'चाणक्य', 'भारत गौरव' 'उत्तर प्रदेश रत्न' तथा 'विकास पुरुष' आदि तमाम उपाधियों से सम्मानित किया गया। श्री केसरी नाथ त्रिपाठी का निधन उत्तर प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ भारतीय राजनीति के लिये एक अपूर्णनीय क्षति है। मैं इस सम्मानित सदन की ओर से उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना भी व्यक्त करता हूं।

महोदय, इसके साथ ही इस सदन के हमारे पूर्व माननीय सदस्य श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी समेत 15 पूर्व माननीय सदस्यों जिनके नाम का उल्लेख कर रहा हूं। श्री रामचरण त्रिपाठी जी कौशाम्बी से, श्री अमरनाथ यादव जी वाराणसी से, श्री जगन्नाथ सिंह परमार जी

बांदा से, श्री त्रिलोकी राम जी अलीगढ़ से, श्री मथुरा प्रसाद तिवारी जी अयोध्या से, श्री बृजेन्द्र पाल सिंह जी सम्भल से, श्री विजय बहादुर पाल जी कन्नौज से, श्री सत्य प्रकाश जी सम्भल से, श्री विक्रमाजीत मौर्य जी प्रयागराज से, श्री सुन्दर लाल दीक्षित जी बाराबंकी से, श्री जसवीर सिंह जी कासगंज से, श्री संजीव राजा जी अलीगढ़ से, श्री बनवारी लाल दोहरे जी कन्नौज से तथा श्री रामस्वरूप सिंह जी कानपुर देहात से, इस सदन के इन सभी पूर्व माननीय सदस्यों के दिवंगत होने पर अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से तथा इस सम्मानित सदन की ओर से इन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और आपसे यह विनम्र निवेदन करता हूं कि सदन की यह संवेदना सभी सम्बन्धित परिजनों तक पहुंचाने की कृपा करें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री अखिलेश यादव जी।

***नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-**

धन्यवाद माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय नेता सदन ने सिटिंग विधायक के न रहने पर अपनी जो बात रखी है मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करते हुए कहना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के युवा सदस्य श्री राहुल प्रकाश कोल का 02 फरवरी, 2023 को लगभग 40 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बहुत कम आयु में उनका आकस्मिक निधन हम सभी के लिये दुःखद है। श्री राहुल प्रकाश कोल छानबे विधान सभा क्षेत्र से विधान सभा के सबसे युवा विधायक के रूप में वर्ष 2017 में पहली बार चुने गये थे और वर्ष 2022 में वह पुनः दूसरी बार इस सदन के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री राहुल प्रकाश कोल की छवि एक सरल व्यक्ति के रूप में रही है। एक युवा विधायक होने के साथ-साथ वह अपने क्षेत्र की जनता में बड़े लोकप्रिय थे। वह जिस समाज से आते थे उस समाज के कल्याण के लिये उन्होंने अनेक कार्य किये। गरीब, मजदूर तथा वंचितों की मदद के लिये वह हमेशा तैयार रहते थे। यद्यपि वह सत्ताधारी दल के सहयोगी दल से हैं, परन्तु जिस दिन से श्री कोल जी निर्वाचित हुए थे उसी दिन से उन्होंने समाज के एक विशिष्ट एवं वंचित वर्ग के मध्य अपनी छवि बनाई थी और उनके मध्य वह लोकप्रिय थे। समाज के वंचित वर्गों के मध्य से जो व्यक्ति राजनीति के क्षेत्र में आते हैं उनका योगदान उल्लेखनीय रहता है। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ऐसे राजनीतिक महानुभाव का सफल होना आवश्यक है। अतः श्री कोल के निधन से सदन को तथा प्रतिपक्ष की राजनीति को विशेष क्षति पहुंची है। श्री राहुल प्रकाश कोल के निधन पर मैं अपनी ओर से तथा अपने दल की ओर से उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए उनके दुःखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आप मुझे भी बोलने का मौका दे रहे हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अध्यक्ष महोदय, यह दुःख का विषय है कि उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी का 8 जनवरी, 2023 को निधन हो गया। श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी का नाम ऐसे राजनीतिज्ञों में लिया जाता है जो राजनीतिक क्षेत्र के साथ-साथ अलग-अलग क्षेत्रों में पारंगत रहे हैं। उनके व्यक्तित्व के अनेक पहलू थे एक अधिवक्ता, जनप्रतिनिधि तथा विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उनकी ख्याति थी। वर्ष 1977 से 2007 तक वह 6 बार विधान सभा के सदस्य रहे तथा 3 बार उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष रहे, विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में सदन का संचालन उन्होंने बड़ी ही कुशलता से किया। श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी लम्बे समय तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे, इसके साथ-साथ उन्हें मेघालय, मिजोरम तथा बिहार के राज्यपाल का भी अतिरिक्त प्रभार मिला था। श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी कानून और संवैधानिक विषयों के जानकार थे, इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उन्होंने एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में भी कार्य किया है। इसके साथ-साथ साहित्य में उनकी गहरी रुचि थी, उन्होंने अनेक पुस्तकें लिखीं और साहित्य के क्षेत्र में उनको अनेक पुरस्कार भी मिले। श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी का निधन देश और विशेषकर उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिये बड़ी क्षति है। मैं अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं और ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए उनके शोक संतप्त परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

साथ ही साथ और बड़ी संख्या में जो हमारे विधान सभा के सदस्य रहे जिसमें श्री राम चरण त्रिपाठी, श्री अमर नाथ यादव, श्री जगन्नाथ सिंह परमार, श्री त्रिलोकी राम, श्री मथुरा प्रसाद तिवारी, श्री बृजेन्द्र पाल सिंह, श्री बिजय बहादुर पाल, श्री सत्यप्रकाश, श्री विक्रमाजीत मौर्य, श्री सुन्दर लाल दीक्षित, श्री जसवीर सिंह, श्री संजीव राजा, श्री बनवारी लाल दोहरे एवं श्री राम स्वरूप सिंह जी के प्रति भी अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से एवं विपक्ष के जितने भी दलीय नेता हैं, उनकी ओर से भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए उनके दुःखी परिजनों के प्रति भी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री (श्री आशीष पटेल)-

मा0 अध्यक्ष महोदय, आज हम सब लोग यहां पर इस सदन के सदस्य रहे श्री राहुल प्रकाश कोल जी को श्रद्धांजलि देने के लिये अपने-अपने विचार रख रहे हैं। मैं नेता सदन एवं नेता प्रतिपक्ष के विचारों से अपने आपको सम्बद्ध कर रहा हूं। मेरे छोटे भाई जैसे और इस सदन के सदस्य एवं उत्तर प्रदेश विधान मण्डल दल अपना दल सोनेलाल के उपनेता रहे श्री राहुल प्रकाश कोल आज हमारे बीच नहीं हैं। श्री राहुल प्रकाश कोल जी का लम्बी बीमारी के बाद 02 फरवरी, 2023 को मुम्बई के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। श्री राहुल

प्रकाश कोल जी का जन्म 04 अगस्त, 1983 को जनपद मिर्जापुर के पटेहराकला नामक स्थान पर हुआ था। उन्होंनें स्नातक मिर्जापुर के के0बी0 कालेज से और एल0एल0बी0 की पढ़ाई वाराणसी से पूरी की थी। श्री राहुल प्रकाश कोल अपने छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हो गये थे, हमारी पार्टी के द्वारा उन्हें 2017 में पहली बार विधान सभा चुनाव में लड़ाया गया था और इन्होंने जनपद मिर्जापुर की छानबे सुरक्षित सीट से निर्वाचित होकर सबसे कम उम्र के विधायक के रूप में इस सदन की शोभा बढ़ाई थी। 05 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद 2022 में पुनः अपना दल के टिकट पर दुबारा सदन के सदस्य बने थे। श्री राहुल प्रकाश कोल बहुत ही जुझारू और अपने समाज के लिये हमेशा संघर्ष करने वाले नेता थे। मा0 अध्यक्ष जी, श्री राहुल प्रकाश कोल की लोकप्रियता केवल मिर्जापुर जनपद तक ही सीमित नहीं थी। जिस प्रकार से वह समाज के सबसे निचले तबके के हितों के लिये संघर्ष करते थे उनकी लोकप्रियता मिर्जापुर जनपद से बाहर कई जनपदों में पहुंच गई थी। श्री राहुल प्रकाश कोल समाज सेवा के साथ-साथ क्रिकेट भी खेलते थे। श्री राहुल प्रकाश कोल जी के बारे में मैं बहुत कुछ कहना चाहता हूं, लेकिन अध्यक्ष जी मेरे पास शब्द नहीं हैं। श्री राहुल प्रकाश कोल का व्यक्तित्व मेरे शब्दों से बहुत ऊपर है। आज मैं इस अवसर पर अपनी ओर से अपने दल की ओर से एवं अपने नेता की ओर से उन्हें नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं एवं उनकी आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए उनके दुःखी परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

अध्यक्ष जी, आज हमारे बीच में इस सदन के तीन बार अध्यक्ष रहे आदरणीय केसरी नाथ त्रिपाठी जी नहीं हैं। सबसे पहले मैं महान व्यक्तित्व श्रद्धेय श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी के पिछले महीने हुए दुःखद निधन पर शोक व्यक्त कर रहा हूं। आदरणीय केसरी नाथ त्रिपाठी जी एक राजनीतिज्ञ के साथ विधि-वेत्ता और संविधान के मर्मज्ञ थे। आप जनता पार्टी की सरकार में सबसे पहले कैबिनेट मंत्री बने। आप दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे। आपने प्रयागराज उच्च न्यायालय बार के अध्यक्ष पद पर दो बार सफलतापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन भी किया। आपने पश्चिम बंगाल के अलावा बिहार, मेघालय और मिजोरम के राज्यपाल पद को भी सुशोभित किया। श्रद्धेय केसरी नाथ त्रिपाठी जी की साहित्य में गहरी रुचि थी। काव्य धार से त्रिपाठी जी को खास लगाव था। साहित्य में गहरी रुचि की वजह से 1999 में लन्दन में हुए छठे विश्व हिन्दी सम्मेलन में आपने देश का प्रतिनिधित्व भी किया था। आपने 2003 में सूरीनाम में हुए विश्व हिन्दी सम्मेलन में भी प्रतिभाग किया था। ऐसे महान व्यक्तित्व को मैं अपने, अपनी नेता एवं अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। अध्यक्ष जी इसके अलावा इस सदन के कई पूर्व सदस्य भी हमारे बीच नहीं हैं, मैं अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से एवं अपनी नेता की ओर से उनको श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। आपके माध्यम से उनके परिवार के सदस्यों तक शोक संवेदना पहुंचाने का अनुरोध करता हूं। धन्यवाद।

(किसी सदस्य का फोन बजने पर)

श्री अध्यक्ष-

यह आवाज कहां से आ रही है। मेरा सबसे निवेदन है कि इतने गम्भीर विषय पर आप सबको संयम बरतना चाहिये। कई जगह से मुझे फोन की घण्टी सुनाई पड़ रही है, जो सर्वथा अनुचित है, निन्दनीय भी है। मुझे आज इस बात को कहना पड़ रहा है। मेरा यह निवेदन है कि सब लोग (अपना-अपना) स्वयं ध्यान रखेंगे।

***श्री राजपाल सिंह बालियान-**

माननीय अध्यक्ष जी, श्री राहुल प्रकाश कोल जो हमारे विधान सभा के दो बार सदस्य रहे वह बहुत ही अल्प आयु में हमारे बीच से चले गये। मैं अपनी ओर से अपनी पार्टी की ओर से एवं अपने नेता की ओर से उन्हें संवेदना व्यक्त करता हूं। तीन बार विधान सभा अध्यक्ष रहे माननीय केसरी नाथ त्रिपाठी जी के साथ मुझे एवं इस विधान सभा के कई सदस्य हैं जिनको 1996 से 2007 तक इस विधान सभा में बैठने का मौका मिला। श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी राजनीतिज्ञ ही नहीं बल्कि विद्वान व्यक्ति भी थे। मैं अपनी ओर से अपने नेता की ओर से एवं अपनी पार्टी की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। हमारी विधान सभा के जितने माननीय सदस्य आज हमारे बीच नहीं हैं मैं उनके लिये भी अपनी ओर से अपने नेता की ओर से एवं अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं। आपसे प्रार्थना है कि उनके परिवार तक हमारी शोक संवेदना पहुंचाने की कृपा करें । धन्यवाद।

मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद)-

मा0 अध्यक्ष जी, नेता सदन व पूर्व में बोले सभी मा0 सदस्यों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। आज इस सदन को सुशोभित करने वाली दो महान हस्तियों को अपनी पार्टी की तरफ से श्रद्धांजलि देता हूं और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालना चहता हूं। सदन के अध्यक्ष पद पर तीन बार आसीन रहे श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी के पिछले महीने हुए निधन पर शोक व्यक्त करता हूं। आदरणीय केसरी नाथ त्रिपाठी जी कुशल राजनीतिज्ञ के साथ-साथ संविधान के मर्मज्ञ थे। वर्ष 1977 से 1979 के दौरान जनता पार्टी की सरकार में मंत्री भी रहे। वर्ष 1989, 1991, 1993, 1996 व 2002 में भी वो चुनकर आये थे। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के पद को भी सुशोभित किया व प्रयागराज उच्च न्यायालय बार एसोसियेशन के अध्यक्ष पद पर दो बार अपनी जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया। संविधान के मर्मज्ञ की वजह से आपको वर्ष 1992, 1993 में लोक सभा अध्यक्ष द्वारा आपको विधायिका, न्यायपालिका में समन्वय रखने वाली समिति का सदस्य भी नामित किया गया। आपने प्रत्येक जिम्मेदारी का सफलता पूर्वक निर्वहन किया। आपने पश्चिम बंगाल, बिहार, मेघालय, मिजोरम के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

राज्यपाल के पद को भी सुशोभित किया। श्रद्धेय केसरी नाथ त्रिपाठी जी को विधि-वेत्ता के साथ- साथ साहित्य में भी गहरी रुचि थी। आपके कार्य हमेशा आपकी याद दिलायेंगे। साहित्य में गहरी रुचि की वजह से वर्ष 1999 में लन्दन में हुए छठे विश्व हिन्दी सम्मेलन में आपने देश का प्रतिनिधित्व किया था और आपने वर्ष 2003 में सूरीनाम में हुए छठे विश्व हिन्दी सम्मेलन में भी प्रतिभाग किया था। आपको भारत गौरव सम्मान और विश्व भारती सम्मान व उत्तर प्रदेश रत्न सम्मान आदि कई महत्वपूर्ण सम्मान दिये गये हैं। आपके निधन से प्रदेश में कुशल राजनीतिज्ञ के साथ-साथ संविधान विशेषज्ञ और साहित्यकार को खो दिया आने वाली पीढ़ियां आपके व्यक्तित्व को सदा याद रखेंगी।

साथ ही इस सदन के सदस्य रहे श्री राहुल प्रकाश कोल जो अपना दल से विधायक थे। मा0 अध्यक्ष जी आज हमें अपनी बात कहते हुए दुःख हो रहा है। उस आदिवासी लोकप्रिय नेता ने अपने दिल में सभी के लिये जगह रखी थी। वह आदिवासी समाज के लिये सड़क, विकास आदि कार्य को लेकर इस विधान सभा में सदैव आगे रहे थे। आज वह युवा चेहरा लोकप्रिय विधायक राहुल प्रकाश कोल अब हम सभी के बीच में नहीं रहे। मा0 अध्यक्ष जी श्री राहुल प्रकाश कोल मिर्जापुर जनपद से अपना दल एस0 के दूसरी बार विधायक चुने गये थे। वर्ष 2017 में श्री राहुल प्रकाश कोल को सबसे कम उम्र के विधायक निर्वाचित होने का भी श्रेय मिला था। श्री राहुल प्रकाश कोल अपने समाज के उत्थान के लिये सदन में हमेशा आगे रहते थे। मा0 अध्यक्ष जी कैंसर जैसी बीमारी की वजह से आदिवासी समाज का यह होनहार नेता 39 वर्ष की उम्र में हम सबसे दूर हो गया। इनके निधन पर हम अपनी पार्टी के साथ-साथ अपने सभी नेताओं की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से उनके शोक संतप्त परिवार को हमारी शोक संवेदना पहुंचा दी जाए। धन्यवाद।

श्री जगदीश नारायण-

मा0 अध्यक्ष जी आज हम लोग बड़े दुःख के साथ श्री राहुल प्रकाश कोल को श्रद्धांजलि देने के लिये यहां बैठे हुए हैं। मैं नेता सदन व नेता विरोधी दल और अन्य नेताओं द्वारा दी गई शोक संवेदनाओं के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। श्री राहुल प्रकाश कोल पूर्वी उत्तर प्रदेश मिर्जापुर से विधायक थे और इनका राजनीतिक परिवार रहा है और इनके पिता जी ने हम लोगों के साथ भी काम किया है। आज वह हमारे बीच नहीं है, यह बहुत ही दुःख की घड़ी है। हम और हमारा दल इस शोक की घड़ी में इनके परिवार के साथ शोक संवेदना व्यक्त करता है। मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से हमारी शोक संवेदनाएं उनके घर पहुंचा दी जाएं।

मा0 केसरी नाथ त्रिपाठी जी इस सदन में हम लोगों के मार्गदर्शक रहे हैं। हम लोगों को लम्बे समय तक उनके साथ बैठने और उनको सुनने का अवसर मिला और हम लोगों को उनका काफी प्यार मिला। उनके व्यक्तित्व के बारे में कुछ भी कहना सूर्य को दीपक दिखाना

होगा। वह महान व्यक्तित्व आज हमारे बीच में नहीं हैं। मैं अपने दल और अपनी तरफ से उनके प्रति शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। आज हमारे बीच कई पूर्व विधायक नहीं हैं जिनके प्रति भी मैं अपने दल की तरफ से शोक संवेदना व्यक्त करता हूं और हम सब इस दुःखद घड़ी में उनके शोकाकुल परिवार के साथ हैं। माननीय अध्यक्ष जी, आपसे अनुरोध है कि हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनायें शोकाकुल परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

***श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

माननीय अध्यक्ष जी, बहुत ही दुःख का विषय है कि हमने अपने सदन के एक वर्तमान साथी को एक और महान विभूति को खो दिया है जिनके प्रति शोक संवेदना व्यक्त करने के लिये आज सदन बैठा है। मैं माननीय नेता सदन, माननीय नेता प्रतिपक्ष और दलीय नेताओं द्वारा दी गई संवेदनाओं को जोड़ते हुए अपना दल (एस) के विधायक स्व0 राहुल प्रकाश कोल जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिये कामना करती हूँ। जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे से निर्वाचित विधायक श्री राहुल प्रकाश कोल जी का कैंसर की बीमारी से दिनांक 02 फरवरी को 40 वर्ष की कम आयु में निधन हो गया है। एक संघर्षशील युवा नेता का ऐसे चला जाना प्रदेश की राजनीति के लिये अपूर्णनीय क्षति है। वह जनजाति समाज के अन्तिम पंक्ति से आने वाले ऐसे ऊर्जावान नेता थे जिनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता। श्री राहुल प्रकाश कोल जी का जन्म दिनांक 04 अगस्त, 1983 को हुआ था। उन्होंने एल0एल0बी0 में स्नातक की शिक्षा ग्रहण की थी और कुछ समय तक वकालत भी की थी। श्री राहुल प्रकाश कोल जी का परिवार भी राजनीति में सक्रिय रहा। राहुल प्रकाश कोल जी के पिता श्री पकौड़ी लाल कोल जी सोनभद्र से अपना दल (एस) के सांसद हैं और पिता से प्रभावित होकर श्री राहुल प्रकाश कोल जी छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय हो गये थे। अपनी प्रभावशाली छवि के कारण उन्हें अपना दल (युवा मंच) का अध्यक्ष भी बनाया गया। श्री राहुल प्रकाश कोल जी की क्रिकेट में विशेष रुचि थी और क्रिकेट के साथ-साथ राजनीति में भी बेहतर पारी खेलकर वह लगातार दो बार छानबे विधान सभा सीट से विधायक बनकर सदन में पहुंचे। श्री राहुल प्रकाश कोल वर्ष 2017 में अपना दल (एस) के टिकट पर छानबे की सुरक्षित सीट से पहली बार विधायक बनकर आये। वह सदन में सबसे कम उम्र के विधायक थे। वर्ष 2022 में श्री राहुल प्रकाश कोल जी ने अपना दल (एस) में पुनः भरोसा जताया और जनता ने उनको भारी मतों से विजयी बनाकर विधायक चुना। श्री राहुल प्रकाश कोल जी ने विधान सभा क्षेत्र छानबे को बहुत अच्छी तरह से संजोकर रखा। वह क्षेत्र के लोगों से निरन्तर मुस्कराकर मिलते थे और समस्याओं का समाधान भी करते थे। वह सदन के सभी साथियों के साथ आपस में मिल-जुल कर बैठकर बातें भी करते थे। जनपद मिर्जापुर में

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

युवा विधायक के रूप में श्री राहुल प्रकाश कोल जी की अपनी एक जगह बनी है जिसकी छाप अमिट है। दिवंगत आत्मा को एक बार पुनः अपनी ओर से और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करती हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, एक और अपूर्णीय क्षति इस सदन में हुई है। आदरणीय श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी जो कई बार इस सदन के सदस्य रहे और उन्होंने तीन बार माननीय अध्यक्ष पद को सुशोभित किया है उनका देहान्त दिनांक 08-01-2023 को हो गया है। वह एक वरिष्ठ अधिवक्ता भी थे और इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसियेशन के दो बार अध्यक्ष भी रह चुके थे। वह पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे और संगठन के दो बार अध्यक्ष भी रह चुके थे। वह पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे और संगठन की भी अनेक जिम्मेदारियां उन पर रहीं। अधिवक्ता और राजनीतिज्ञ के अलावा वह एक साहित्यकार और लेखक भी थे। उन्होंने कई पुस्तकें लिखीं और उनको कई सम्मानों से अलंकृत भी किया गया। मैं यह मानती हूं कि उनके चले जाने से उत्तर प्रदेश की राजनीति को एक बड़ी क्षति पहुंची है।

मैं अपनी ओर से अपने दल की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करती हूं। हमारे कई भूतपूर्व सदस्य श्री राम चरन त्रिपाठी जी, श्री अमरनाथ यादव जी, श्री जगन्नाथ सिंह परमार जी, श्री त्रिलोकी राम जी, श्री मथुरा प्रसाद तिवारी जी, श्री बृजेन्द्र पाल सिंह जी, श्री विजय बहादुर पाल जी, श्री सत्यप्रकाश जी, श्री विक्रमाजीत मौर्य जी, श्री सुन्दर लाल दीक्षित जी, श्री जसवीर सिंह जी, श्री संजीव राजा जी, श्री बनवारी लाल दोहरे जी और श्री राम स्वरूप सिंह जी हमारे पूर्व सदस्य थे इनके लिये भी मैं अपने श्रद्धासुमन अर्पित करती हूं। ओम शान्ति।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नेता, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी।

(अनुपस्थित)

श्री उमाशंकर सिंह-

आदरणीय अध्यक्ष जी, आज हमसे पूर्व नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष और सभी दलीय नेतागण ने जो शोक संवेदना व्यक्त की है उससे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं। अध्यक्ष जी, हम लोग पिछले सत्र में जब यहां बैठते थे, हम लोगों के साथ सदन का हिस्सा रहे स्वर्गीय श्री राहुल प्रकाश कोल जी, इस बार हम लोग बिना उनकी उपस्थिति के यहां बैठ रहे हैं, क्योंकि 02 फरवरी, 2023 को उनका मुम्बई के कैंसर अस्पताल में निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे। अध्यक्ष जी, वह पूर्वी उत्तर प्रदेश से एक सामाजिक कार्य करने वाले राजनीतिक परिवार से आते थे। इनके पिता श्री पकौड़ी लाल कोल जी ने अपनी राजनीति की शुरुआत बहुजन समाज पार्टी से की थी और आज अपना दल (एस) से सोनभद्र के सांसद हैं। अध्यक्ष जी, इनके राजनीतिक परिवार का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि श्री राहुल प्रकाश कोल

जी की धर्मपत्नी जिला पंचायत सदस्य के रूप में काम कर रही हैं और इनके भाई श्री जय प्रकाश कोल जी वह पटियाला ब्लाक से ब्लाक प्रमुख हैं। इससे इस परिवार की समाज में लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोगों के बीच में इनकी लोकप्रियता कितनी ज्यादा है। अध्यक्ष जी, वह हमारे बीच में नहीं हैं। मैं आपके माध्यम से आग्रह करूंगा कि हमारी शोक संवेदना उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें।

अध्यक्ष जी, इसी तरह से हमारे पूर्व मा0 सदस्यगण में स्वर्गीय श्री केसरी नाथ त्रिपाठी जी के साथ 15 अन्य मा0 पूर्व सदस्य जो अब इस दुनिया में नहीं हैं जिनका निधन हो गया है। उनके लिये मेरे पूर्व जो दलीय नेतागण ने अपनी बात रखी है मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं। अध्यक्ष जी, स्व0 केशरी नाथ त्रिपाठी जी के समय में हम इस सदन का हिस्सा नहीं रहे लेकिन जैसा उनके बारे में हमने पढ़ा है वह तीन बार इस पीठ की शोभा भी बढ़ाये हैं और तीन प्रदेशों के वह महामहिम राज्यपाल भी रहे हैं। वह स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी जी, स्व0 चौधरी चरण सिंह जी, श्री सुब्रमण्यम स्वामी जी, श्री राज नारायण जी, श्री एच0एन0 बहुगुणा जी, श्री कल्याण सिंह जी जैसे दिग्गजों के वकील भी रहे हैं। क्योंकि वह इलेक्शन पिटीशन के बहुत अच्छे ज्ञाता थे। जब कभी भी ऐसी स्थिति आती थी तो चाहे भारत का कोई भी राजनीतिक व्यक्ति हो उनको इंगेज करने की कोशिश करता था। अपनी राजनीति की शुरुआत में वह 1977 से 1980 तक जनता पार्टी से झूंसी विधान सभा क्षेत्र से विधायक रहे। लेकिन 1980 में वह भाजपा ज्वाइन किये और उसके बाद सब मिलाकर 06 बार वह विधायक रहे। अध्यक्ष जी, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि हमारी शोक संवेदना स्वर्गीय श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी तथा अन्य 15 मा0 सदस्य जो नहीं हैं उनके परिवार तक पहुंचाने की कृपा करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा के वर्तमान सदस्य श्री राहुल प्रकाश कोल जी का 02 फरवरी, 2023 को निधन हो गया, वह लगभग 40 वर्ष के थे। श्री राहुल प्रकाश कोल का जन्म 04 अगस्त, 1983 को पटेहरा कलां, जिला मिर्जापुर में हुआ था। वह लॉ ग्रेजुएट थे, वह मृदु स्वभाव के थे एवं मिलनसार थे। श्री राहुल प्रकाश कोल वर्ष 2017 में पहली बार उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित होकर आये थे और दूसरी बार वर्ष 2022 में अपना दल सोनेलाल के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र-96 जिला मिर्जापुर से विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री राहुल प्रकाश कोल एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता थे, वह अपने क्षेत्र के विकास के लिये सतत् प्रयत्नशील रहते थे, उनकी समाज सेवा में विशेष रुचि थी। श्री राहुल प्रकाश कोल एक राजनीतिक परिवार से आते थे, उनके पिता श्री पकौड़ी लाल कोल, सोनभद्र से दूसरी बार सांसद हैं। वह छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति में थे, उनके एक पुत्र एवं दो पुत्री

हैं। वह पूर्व में अपना दल (एस) युवा मंच के अध्यक्ष भी रहे और वर्तमान में विधान मण्डल दल अपना दल (एस) के उपनेता भी थे। वह हंसमुख एवं मिलनसार थे। श्री राहुल प्रकाश कोल के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

इस विधान सभा के पूर्व सदस्य और तीन बार इस अध्यक्ष की कुर्सी को जिन्होंने सुशोभित किया था, विभिन्न राजनीतिक दायित्वों के ऊपर जिन्होंने सहजता के साथ मिलनसार स्वभाव के साथ एवं सबके साथ काम करने की एक अनूठी छाप छोड़ी थी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के नाते से भी श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी को जब भी फोन किया जाता था तो वह 24x7 अपने फोन को रिसीव किया करते थे। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी विधि के ज्ञाता थे। यहां पर जैसे हमारे सम्मानित नेताओं ने बताया है कि वह इलेक्शन पिटीशन के महिर थे और कई विधाओं के माहिर थे। उनके संसदीय ज्ञान, उनके विधायी ज्ञान, उनके राजनीतिक समर्पण और ज्ञान के कारण श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी रहे हैं। मेरा उनके साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध एवं लगाव था। जिस कुर्सी पर खड़ा होकर मैं आज शोक-संवेदनाएं व्यक्त कर रहा हूं, उस कुर्सी के ऊपर उनको मैंने इस सदन में बैठे हुए, सदन की चिन्ता करते हुए, विधायी संस्थाओं की चिन्ता करते हुए, विधायिका के बारे में समर्पित भाव से काम करते हुए देखा है। विधान सभा में कई अवसर आये कि उनके द्वारा कई प्रकार के नवाचार किये गये, उनकी प्रदेश में ही नहीं देश में ही नहीं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक पहचान थी। वह हिन्दी के एक प्रख्यात कवि भी थे। दुनिया भर के देशों के अन्तर्गत उन्होंने हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये और हिन्दी की कविता के लिये अपने व्याख्यान दिये। सी0पी0ए0 के महत्वपूर्ण अध्यक्ष होने के नाते से मेरा सौभाग्य है कि मैंने उनके साथ लगभग 20 देशों का सफर किया था। मैंने उनको दिन और रात लिखते हुए देखा है। पहले फ्लाइट्स चौदह घण्टे और बारह घण्टे की होती थी लेकिन व सोते नहीं थे लगातार काम करते थे जिनको न मैंने कभी थकते हुए देखा, न कभी रुकते हुए देखा, जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा, आज उस महान व्यक्तित्व के लिये इस जगह के ऊपर खड़े होकर संवेदनायें व्यक्त करना मेरे लिये कठिन हो रहा है। ऐसे लोग जो समाज में आते हैं लेकिन एक अमिट छाप छोड़कर जाते हैं। स्नेह, प्यार, अपनापन, समर्पण की एक ताकत उनके अन्दर थी। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी के शरीर छोड़कर जाने से इस प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ, एक विधि वक्ता, एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में एक बहुत बड़ा नेता खोया है, वह एक विराट व्यक्तित्व के धनी थे, उनकी छांव में बहुत सारे लोगों ने आगे बढ़ना सीखा था। मैं उनके प्रति हृदय से संवेदनायें व्यक्त करता हूं। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के पूर्व सदस्य श्री रामचरन त्रिपाठी का 07 मार्च, 1997 को निधन हो गया था वे लगभग 65 वर्ष के थे। श्री रामचरन त्रिपाठी का जन्म 10 जुलाई, 1932

को ग्राम दारानगर, जिला प्रयागराज तत्कालीन इलाहाबाद में हुआ था। उन्होंने एम0ए0, बी0टी0सी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री रामचरण त्रिपाठी वर्ष 1969 में निर्वाचन क्षेत्र सिराथू, जिला कौशाम्बी से संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री रामचरण त्रिपाठी ज्येष्ठ उप-ब्लाक प्रमुख, कड़ा ब्लाक, अध्यक्ष विद्यार्थी संघ तथा जनता जूनियर विद्यालय के अध्यक्ष रहे थे। सामाजिक कार्यों तथा अध्यापन में उनकी विशेष रुचि थी। श्री राम चरण त्रिपाठी के निधन से प्रदेश ने कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री अमरनाथ यादव का 31 मई, 2022 को निधन हो गया। वे लगभग 81 वर्ष के थे। श्री अमरनाथ यादव का जन्म 01 मई, 1941 को वाराणसी में हुआ था। उन्होंने स्नातकोत्तर, बी0एड0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री अमरनाथ यादव वर्ष 1989, 1991 एवं 1993 निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी उत्तरी, जिला वाराणसी से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री अमरनाथ यादव, श्री कल्याण सिंह मंत्रि-मण्डल के सदस्य रहे थे। वे विभिन्न आंदोलनों के अन्तर्गत जिला कारागार वाराणसी में बंदी रहे थे। श्री अमरनाथ यादव भारतीय जनता पार्टी, वाराणसी महानगर के महामंत्री, अन्तर्विद्यालय खेलकूद संघ, वाराणसी के मंत्री तथा कोषाध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद् वाराणसी के मंत्री भी रहे। शिक्षा तथा नगर विकास के कार्यों में उनकी विशेष रुचि थी। श्री अमरनाथ यादव के निधन से प्रदेश ने कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जगन्नाथ सिंह परमार का 29 सितम्बर, 2022 को निधन हो गया, वे लगभग 88 वर्ष के थे। श्री जगन्नाथ सिंह परमार का जन्म 10 जुलाई, 1934 को ग्राम लामा, जिला बांदा में हुआ था। उन्होंने हाई स्कूल तक की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री जगन्नाथ सिंह परमार वर्ष 1974 में जनसंघ के टिकट पर व वर्ष 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र तिंदवारी, जिला बांदा से विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री जगन्नाथ सिंह परमार एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे अपने क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा प्रयत्नशील रहते थे। अध्ययन, खेल एवं समाजसेवा में उनकी विशष रुचि थी। श्री जगन्नाथ सिंह परमार के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री त्रिलोकी राम का 09 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया वे लगभग 75 वर्ष की आयु के थे। श्री त्रिलोकी राम का जन्म 16 जनवरी, 1948 को ग्राम नसीरपुर, जिला महामाया नगर में हुआ था। उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री त्रिलोकी राम वर्ष 2012 में निर्वाचन क्षेत्र इगलास, जिला अलीगढ़ से राष्ट्रीय लोकदल के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे।

श्री त्रिलोकी राम, विधान सभा की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों सम्बन्धी संयुक्त समिति के सदस्य रहे। वे अपने क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा

प्रयत्नशील रहते थे। समाजसेवा में उनकी विशेष रुचि थी। श्री त्रिलोकी राम के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री मथुरा प्रसाद तिवारी का 17 अक्टूबर, 2022 को निधन हो गया वे लगभग 76 वर्ष के थे। श्री मथुरा प्रसाद तिवारी का जन्म 03 नवम्बर, 1946 को ग्राम शेरपुर, उछाहपाली, जिला फैजाबाद में हुआ था। श्री मथुरा प्रसाद तिवारी 1991 में निर्वाचन क्षेत्र मिल्कीपुर, जिला अयोध्या, फैजाबाद से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री मथुरा प्रसाद तिवारी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवक, विस्तारक, अखिल भारतीय युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी की कार्यकारिणी के सदस्य एवं कोषाध्यक्ष रहे थे। सामाजिक कार्यों और स्वाध्याय में उनकी विशेष रुचि थी। श्री मथुरा प्रसाद तिवारी के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री बृजेन्द्र पाल सिंह का 25 नवम्बर, 2022 को निधन हो गया, वह लगभग 75 वर्ष के थे। श्री बृजेन्द्र पाल सिंह का जन्म 10 जनवरी, 1948 को फरीदपुर खुशहाल, जिला मुरादाबाद में हुआ था। उन्होंने स्नातकोत्तर, एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री बृजेन्द्र पाल सिंह वर्ष 1985 में कांग्रेस (आई), वर्ष 1991 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और 1996 में समाजवादी पार्टी से निर्वाचन क्षेत्र बहजोई, जिला सम्भल तत्कालीन जिला मुरादाबाद से विधान सभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे 7वीं लोक सभा के सदस्य भी रहे। श्री बृजेन्द्र पाल सिंह, श्री नारायण दत्त तिवारी मंत्रि-मण्डल के सदस्य तथा विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य व कांग्रेस पार्टी के मण्डलीय सचिव भी रहे। वे विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत जिला कारागार मुरादाबाद में बन्दी रहे। श्री बृजेन्द्र पाल सिंह एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं सामाजिक कार्यकर्ता थे, समाजसेवा में उनकी विशेष रुचि थी। श्री बृजेन्द्र पाल सिंह के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री विजय बहादुर पाल का 06 दिसम्बर, 2022 को निधन हो गया, वे लगभग 82 वर्ष के थे। श्री विजय बहादुर पाल का जन्म 31 जनवरी, 1941 को ग्राम शिवरा, जिला औरैया में हुआ था। उन्होंने स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री विजय बहादुर पाल वर्ष 2002 में निर्वाचन क्षेत्र उमर्दा तथा वर्ष 2012 में निर्वाचन क्षेत्र तिर्वा, जिला कन्नौज से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री विजय बहादुर पाल, श्री अखिलेश यादव मंत्रि-मण्डल में राज्य मंत्री व विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे। वे जिला पंचायत सदस्य, फर्रुखाबाद, कन्नौज व ब्लाक प्रमुख हसेरन, कन्नौज भी रहे थे। श्री विजय बहादुर पाल विभिन्न आन्दोलनों के

अन्तर्गत जिला कारागार मैनपुरी, फतेहगढ़ व फर्रुखाबाद में बन्दी रहे। समाजसेवा में उनकी विशेष रुचि थी। श्री विजय बहादुर पाल के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री सत्य प्रकाश का 13 दिसम्बर, 2022 को निधन हो गया, वे लगभग 70 वर्ष के थे। श्री सत्य प्रकाश का जन्म 01 जनवरी, 1953 को सौंधन, जिला सम्भल में हुआ था। उन्होंने स्नातक, एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री सत्य प्रकाश वर्ष 1993 में निर्वाचन क्षेत्र सम्भल, जिला सम्भल तत्कालीन जिला मुरादाबाद से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री सत्य प्रकाश एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजिक कार्यकर्ता थे। वे अपने क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा प्रयत्नशील रहते थे। उनकी समाजसेवा में विशेष रुचि थी। श्री सत्य प्रकाश के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री विक्रमाजीत मौर्य का 16 दिसम्बर, 2022 को निधन हो गया। वे लगभग 64 वर्ष के थे। श्री विक्रमाजीत मौर्य का जन्म 01 फरवरी, 1959 को फार्जिलाबाद, जिला प्रयागराज तत्कालीन इलाहाबाद में हुआ था। उन्होंने स्नातक, एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री विक्रमाजीत मौर्य वर्ष 1991 में निर्वाचन क्षेत्र प्रतापपुर से जनता दल, 1996 में निर्वाचन क्षेत्र नवाबगंज से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा 2017 में निर्वाचन क्षेत्र फाफामऊ, जिला प्रयागराज से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री विक्रमाजीत मौर्य, श्री कल्याण सिंह मंत्रि-मण्डल के सदस्य तथा विधान सभा की विधान पुस्तकालय परामर्शदात्री समिति तथा कार्य-मंत्रणा समिति के सदस्य भी रहे थे। जन आन्दोलनों के अन्तर्गत वे नैनी सेन्ट्रल जेल, इलाहाबाद भी गये। समाजसेवा में उनकी विशेष रुचि थी तथा अध्ययन उन्हें प्रिय था। श्री विक्रमाजीत मौर्य के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

श्री सुन्दर लाल दीक्षित का जन्म 15 मई, 1945 को दौलतपुर मजरे जिला बाराबंकी में हुआ था। उन्होंने हाई स्कूल तक की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री सुन्दर लाल दीक्षित वर्ष 1977 में निर्दलीय, 1989 और 1993 में भारतीय जनता पार्टी से निर्वाचन क्षेत्र हैदरगढ़, जिला बाराबंकी विधान सभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए। श्री सुन्दर लाल दीक्षित विधान सभा की प्रश्न एवं सन्दर्भ समिति के सदस्य रहे और वह विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत जिला कारागार बाराबंकी एवं फैजाबाद में बन्दी रहे थे। वह अपने क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा प्रयत्नशील रहते थे और समाज सेवा में उनकी विशेष रुचि थी। श्री सुन्दर लाल दीक्षित के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री जसवीर सिंह का 23 जनवरी, 2023 को निधन हो गया और वह लगभग 82 वर्ष के थे। श्री जसवीर सिंह का जन्म वर्ष 1941 में

हुआ था उन्होंने एम0ए0, एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री जसवीर सिंह वर्ष 1977 में निर्वाचन क्षेत्र पटियाली जिला कासगंज तत्कालीन एटा से जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। श्री जसवीर सिंह कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी कार्यकर्ता थे। वह अपने क्षेत्र के विकास के लिये हमेशा प्रयत्नशील रहते थे। वह अपने जनपद के कई शैक्षिक संस्थाओं से सम्बद्ध थे। शिक्षा एवं सार्वजनिक निर्माण कार्यों में उनकी विशेष रुचि थी। श्री जसवीर सिंह के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री संजीव राजा का 11 फरवरी, 2023 में निधन हो गया औरे वह लगभग 62 वर्ष के थे। श्री संजीव राजा का जन्म 01 फरवरी, 1961 को वजीरगंज जिला बदायूं में हुआ था और उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री संजीव राजा वर्ष 2017 में निर्वाचन क्षेत्र जिला अलीगढ़ से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री संजीव राजा विभिन्न आन्दोलनों के अन्तर्गत जिला कारागार अलीगढ़ में बंदी रहे और भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला मंत्री एवं अलीगढ़ महानगर भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष थे। समाजसेवा में उनकी विशेष रुचि थी। श्री संजीव राजा 2022 में विधान सभा का चुनाव नहीं लड़ सके और उनकी पत्नी श्रीमती मुक्ता रानी 2022 में विधान सभा के सदस्य के रूप में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर अलीगढ़ से चुनी गई। वह हमारे विधान सभा की वर्तमान सदस्य हैं। मैं उनके प्रति हृदय से पूरे सदन की ओर से जो वर्तमान में हमारी विधान सभा की सदस्य हैं मैं उनके प्रति श्री संजीव राजा के न रहने पर मैं अपनी तरफ से और पूरे सदन की तरफ से उनके प्रति विशेष संवेदनायें व्यक्त करता हूं और श्रद्धांजलि देता हूं। श्री संजीव राजा के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री बनवारी लाल दोहरे का 15 फरवरी, 2023 को निधन हुआ वह लगभग 70 वर्ष के थे। श्री बनवारी लाल दोहरे का जन्म 01 जुलाई, 1953 को ग्राम डहेलपुर, जिला फर्रुखाबाद में हुआ था उन्होंने स्नातक और एल0एल0बी0 की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री बनवारी लाल दोहरे 1991, 1993 और 1996 में निर्वाचन क्षेत्र जिला कन्नौज तत्कालीन जिला फर्रुखाबाद और भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री बनवारी लाल दोहरे अभी वर्तमान में विधान परिषद् के भी सदस्य थे। श्री बनवारी लाल दोहरे विधान सभा की अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा विमुक्त जातियों से सम्बन्धित संयुक्त समिति के सदस्य थे। डा0 अम्बेडकर प्रचार समिति के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी फर्रुखाबाद के जिला अध्यक्ष भी रहे समाजसेवा और अध्ययन में उनकी विशेष रुचि थी। श्री बनवारी लाल दोहरे जी के साथ मुझे लम्बे समय से काम करने का अवसर मिला। वर्ष 1991 में मैं और वह दोनों लोग पहली बार जीतकर विधान

सभा में आये थे उसके बाद वह लगातार वर्ष 1993 और 1996 में भी विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। एक मृदुभाषी व्यक्ति एवं समाज के एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में श्री बनवारी लाल दोहरे के न रहने से पार्टी ने एक वरिष्ठ कार्यकर्ता और समाज ने एक कर्मठ समाजसेवी खो दिया। श्री बनवारी लाल दोहरे के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य, श्री राम स्वरूप सिंह का दिनांक 18 फरवरी, 2023 को निधन हो गया। वे लगभग 87 वर्ष के थे। श्री राम स्वरूप सिंह का जन्म 19 अगस्त, 1936 को रमाबाई नगर में हुआ था। उन्होंने हाई स्कूल तक की शिक्षा ग्रहण की थी। श्री राम स्वरूप सिंह वर्ष 2002 में बहुजन समाज पार्टी तथा वर्ष 2007 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र सरवन खेड़ा, जिला कानपुर देहात तथा वर्ष 2012 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर निर्वाचन क्षेत्र अकबरपुर-रनिया जिला कानपुर देहात (तत्कालीन जिला रमाबाई नगर) से विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे। श्री राम स्वरूप सिंह श्री मुलायम सिंह यादव मंत्रि-मण्डल में राज्य मंत्री तथा विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे थे। समाजसेवा एवं राजनीति में उनकी विशेष रुचि थी। श्री राम स्वरूप सिंह के निधन से प्रदेश ने एक कुशल राजनीतिज्ञ एवं समाजसेवी खो दिया है।

श्री राहुल प्रकाश कोल वर्तमान में उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य थे। श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जो उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे, वे इस अध्यक्ष आसन पर कई बार बैठे तथा वे सभी मा0 पूर्व सदस्यगण जिनके बारे में मैंने यहां पर अभी बताया है, उनके निधन से आज पूरा सदन शोकाकुल है। मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से ईश्वर से कामना करता हूं कि वह दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करें तथा उनके शोक संतप्त परिवारों को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मैं इस सदन में व्यक्त शोक संवेदनायें मृतकों के शोकाकुल परिवारों तक पहुंचा दूंगा। अब हम दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिये दो मिनट का मौन धारण करेंगे।

(सभी सदस्य दो मिनट के लिये अपने-अपने स्थान पर मौन खड़े हुए।)

[12:05] सभी सदस्यों को अपनी आवंटित सीट पर बैठने एवं दूसरों की सीट पर स्थापित टैबलेट को लॉगिन न करने के सम्बन्ध में निर्देश

श्री अध्यक्ष-

ओम शान्ति। अब आप लोग अपना स्थान ग्रहण करिये। मैं आप सभी मा0 सदस्यगण को एक सूचना देना चाहता हूं। कई मा0 सदस्यगण जो अपनी सीट पर नहीं बैठते हैं और जो भी सीट रिक्त होती है उस पर जाकर बैठ जाते है। अगर कोई सीट रिक्त हो तो उस पर बैठने पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबन्ध नहीं है लेकिन उस सीट की डिवाइस को आप नहीं

खोल सकते। अगर आप उस सीट की डिवाइस को खोलेंगे और दूसरे आदमी की प्रेजेन्स उसमें लगा देंगे तो जो मा0 सदस्य हाउस में उपस्थित नहीं हैं, इससे उनकी भी प्रेजेन्स लग जायेगी तो यह अनुचित है। इसलिये मेरा आप सभी मा0 सदस्यों से निवेदन है कि आप लोग बोलने के समय और अपनी अटेन्डेन्स लगाने के लिये अपनी ही सीट पर बैठें। अन्य किसी सीट के ऊपर आप बैठ तो सकते हैं लेकिन आप उस सीट की डिवाइस को इस्तेमाल नहीं कर सकते। कल मुझे सूचना मिली कि कुछ मा0 सदस्यों को इस चीज से आपत्ति रही है। इसलिये मेरा आपसे विनम्र निवेदन है, कि आप सब लोग अपनी-अपनी सीट पर बैठकर अपनी ही डिवाइस का इस्तेमाल करें। अब हम उठते हैं कल सुबह 11:00 बजे फिर मिलेंगे।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 12 बजकर 05 मिनट पर अगले दिन के 11:00 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।

लखनऊ :
दिनांक 21 फरवरी, 2023

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0 142 विधान सभा (225)-19-10-2023-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।